भारत – रोमानिया संबंध

भारत और रोमानिया ने 1948 में राजनयिक संबंध स्थापित किए तथा 1968 में इसे राजदूत के स्तर पर स्तरोन्नत किया। तथापि दोनों देशों एवं सभ्यताओं के बीच संपर्क इससे पहले से ही चले आ रहे हैं। ट्रांसिलवानिया में जन्मे फिलोलाजिस्ट अलेक्जेंडर कसोमा डी कोरोस ने 1820 में भारत की यात्रा की थी और कई साल तक जंस्कार एवं कलकत्ता में निवास किया था (उन्हें दार्जिलिंग में दफनाया गया है)। रोमानिया के राष्ट्र कवि मिहाई एमिनेस्कू भारतीय भाषाओं एवं साहित्य की ओर आकर्षित थे तथा उन्होंने संस्कृत व्याकरण पर एक पुस्तक का अनुवाद जर्मन से रोमानियन में किया। रोमानिया के प्रख्यात दार्शनिक एवं कवि जैसे कि बोगडन हसदेऊ, जार्ज कोसबुक और लुसियन ब्लागा भारतीय चिंतन शैली से काफी प्रभावित थे तथा यह उनकी कृतियों में प्रतिबिंबित हुआ है, प्रिंस कैरोल द्वितीय ने 1920 में 5 माह के लिए भारत के दौरे पर आए थे। रवीन्द्र नाथ टैगोर ने 1926 में रोमानिया का दौरा किया था तथा बुकारेस्ट विश्वविद्यालय से डाक्टेरोट होनोरिस कौसा की उपाधि प्राप्त की थी। कलकत्ता विश्वविद्यालय में दर्शन एवं संस्कृत की पढ़ाई करते हुए मिर्सिया एलिडा ने 4 साल (1928 से 1932) भारत में बिताए थे। मूर्तिकार कोस्टांटिन ब्रांकुसी भारतीय मोटिफ से प्रभावित थे तथा इंदौर के महाराजा के लिए एक कमीशन के निष्पादन के लिए 1937 में भारत का दौरा किया था।

राजनीतिक संबंध

भारत और रोमानिया के बीच द्विपक्षीय राजनीतिक संबंध मधुर एवं मैत्रीपूर्ण हैं। अतीत में भारत और रोमानिया ने बहुपक्षीय मुद्दों पर एक दूसरे का समर्थन किया है तथा संयुक्त राष्ट्र में सद्भाव के साथ काम किया है। द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा के लिए विदेश कार्यालय परामर्श स्थापित किया गया है। डी जी स्तर पर विदेश कार्यालय परामर्श की पिछली बैठक 14 दिसंबर 2012 को बुकारेस्ट में हुई थी। इससे पहले सचिव (पश्चिम) के स्तर पर जून 2009 में नई दिल्ली में विदेश कार्यालय परामर्श का आयोजन हुआ था। मार्च 2013 में रोमानिया के विदेश मंत्री श्री टिटुस कोरलेटियन की भारत यात्रा के दौरान व्यापक साझेदारी के लिए एक संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर किए गए थे।

द्विपक्षीय यात्राएं :

अक्टूबर 2006 में राष्ट्रपति ट्रायन बासेसकू की भारत की राजकीय यात्रा से सहयोग एवं समझ बढ़ाने के लिए अनेक अवसरों का सृजन हुआ तथा यह हमारे द्विपक्षीय संबंधों में टर्निंग प्वाइंट था।

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया और रोमानिया के वित्त, व्यापार एवं व्यवसाय परिवेश मंत्री श्री इयान एरिटन की सह अध्यक्षता में भारत - रोमानिया संयुक्त आर्थिक आयोग की 17वीं बैठक बुकारेस्ट में 1 और 2 फरवरी 2012 को हुई तथा इससे पूर्व पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस पर संयुक्त कार्य समूह तथा एस एम ई पर संयुक्त कार्य समूह की बैठकें हुईं।

रोमानिया के विदेश मंत्री श्री टिटुस कोरलाटियन ने 6 से 8 मार्च 2013 के दौरान भारत का दौरा किया तथा विदेश मंत्री एवं एम ओ एस (पी के) से मुलाकात की। विस्तारित साझेदारी पर एक करार पर भी हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा इस यात्रा के दौरान डी टी ए ए पर भी हस्ताक्षर किए गए। वह असेम विदेश मंत्रियों की 11वीं बैठक में भाग लेने के लिए नवंबर 2013 में पुन: दिल्ली के दौरे पर आए।

एस एम ई / व्यवसाय परिवेश / पर्यटन के लिए प्रत्यायित मंत्री सुश्री ग्रैपिनी ने अप्रैल 2013 में भारत का दौरा किया। दौरे के दौरान टेक्सटाइल के क्षेत्र में सहयोग पर एक करार पर हस्ताक्षर किए गए थे।

प्रधानमंत्री कार्यालय में रक्षा एवं सुरक्षा मामलों के लिए राज्य कांसुलर श्री सोरिन एंकुटेस्कू (उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार) ने नवंबर 2014 में भारत का दौरा किया।

विदेश मंत्रालय की ओर से रोमानिया की पिछली उच्च स्तरीय यात्रा अप्रैल 2010 में विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रनीत कौर की यात्रा थी। पिछले दो दशकों में भारत की ओर से उच्च स्तर पर रोमानिया की जो यात्राएं की गई हैं उनमें 1994 में राष्ट्रपति श्री शंकर दयाल शर्मा की यात्रा तथा अक्टूबर 2005 में उप राष्ट्रपति श्री भैरों सिंह शेखावत की यात्रा शामिल हैं।

संसदीय दौरे

संसदीय कार्य तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज के नेतृत्व में एक भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने जून 2003 में रोमानिया का दौरा किया। राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी इस शिष्टमंडल का हिस्सा थे। रोमानिया की सीनेट के अध्यक्ष वकारोईयू के नेतृत्व में एक बहुदलीय शिष्टमंडल ने दिसंबर 2003 में भारत का दौरा किया।

रोमानिया - भारत संसदीय मैत्री समूह की अध्यक्ष सुश्री अन्ना बिर्चल ने 22 से 25 अप्रैल 2013 के दौरान भारत का दौरा किया।

रोमानिया के चैंबर ऑफ डिप्टीज ऑफ पार्लियामेंट के अध्यक्ष श्री जगोनिया के नेतृत्व में एक सर्वदलीय संसदीय शिष्टमंडल ने 6 से 12 दिसंबर 2014 के दौरान भारत का दौरा किया।

व्यापार और आर्थिक सहयोग

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि - अतीत में द्विपक्षीय सहयोग के तहत पेट्रोलियम, पेट्रोरसायन, विद्युत तथा मेटलर्जी के क्षेत्रों में भारत में परियोजनाएं शामिल हैं। रोमानिया गुवाहाटी एवं बिहार में तेल रिफाइनरी, सिंगरेनी में ताप विद्युत संयंत्र, मंगलौर पैलेट प्लांट, दुर्गापुर एगलोमरेशन प्लांट तथा हैदराबाद ट्रैक्टर प्लांट की परियोजनाओं में शामिल था। 1993 में व्यापार एवं आर्थिक सहयोग के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किए गए थे जिसके तहत परस्पर एम एफ एन व्यवहार तथा हार्ड करेंसी में व्यापार की परिकल्पना थी। व्यापार एवं आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए विद्यमान द्विपक्षीय संस्थानिक तंत्र सरकारी स्तर पर संयुक्तआर्थिक समिति से उत्पन्न हुए हैं।

भारत और रोमानिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार

द्विपक्षीय व्यापार 600 से 800 मिलियन अमरीकी डालर के बीच है। तथापि इसमें वृद्धि की काफी संभावना मौजूद है। पिछले 3 वर्षों के लिए भारत - रोमानिया व्यापार का ब्यौरा यहां नीचे दिया गया है :

व्यापार आंकड़े	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**
भारत से निर्यात	*283.15*	286.10	416.79
भारत द्वारा आयात	*311.12*	375.65	296.45
कुल	*594.27*	661.75	713.24

वाणिज्यिक विभाग, भारत सरकार (आंकड़े मिलियन अमरीकी डालर में)

भारत की ओर से रोमानिया को जिन वस्तुओं का निर्यात किया गया उनमें मुख्य रूप से विद्युत मशीनें, डिवाइसें एवं उपकरण, सामान्य मेटल, रसायन एवं संबंद्ध उद्योग उत्पाद, प्लासिटक एवं रबर की सामग्रियां, टेक्सटाइल, खाद्य उत्पाद, बिवरेज तथा तंबाकू आदि शामिल हैं।

रोमानिया से भारत द्वारा जिन वस्तुओं का आयात किया गया उनमें मुख्य रूप से वाहन (रेलवे कैरिएज या ट्रामवे से भिन्न) तथा उनके पुर्जे, लोहा एवं इस्पात, जैविक रसायन आदि शामिल हैं।

फोकस के लिए विशिष्ट क्षेत्रों / उत्पादों की पहचान की गई है। इनमें फार्मास्युटिकल तथा प्रकृति आधारित दवाएं एवं चिकित्सा डिवाइसें, कृषि तथा कृषि उत्पाद एवं डिवाइसें, आटोमोटिव एवं उनके पुर्जे, इंजीनियरिंग के सामान, लोहा एवं इस्पात, रसायन, रबर आदि शामिल हैं।

रोमानिया में भारतीय निवेश

विप्रो, जेनपैक्ट, सनफार्मा (पूर्व में रैनबैक्सी), डा. रेड्डी लैब, यू सी ओ रेमण्ड, सनवेव फार्मा, ठकराल ग्रुप (आई टी इनफ्रास्ट्रक्चर), फेरको ग्रुप (वन एवं लकड़ी उत्पाद), प्रोडिजी (आई टी साफ्टवेयर), प्राइम हेल्थकेयर जैसी प्रमुख कंपनियों की रोमानिया में उल्लेखनीय मौजूदगी है। आर्सेलर मित्तल ने यूरोप से रोमानिया में काफी निवेश किया है।

भारत में रोमानियाई निवेश

अप्रैल 2000 से मई 2015 के दौरान भारत में रोमानिया से संचयी एफ डी आई अंत:प्रवाह 7.01 मिलियन अमरीकी डालर के आसपास था। रोमानिया भारत में एफ डी आई अंत:प्रवाह की दृष्टि से 81वें स्थान पर है। रोमानिया की कंपनियों ने भारत में विविध क्षेत्रों में निवेश किया है जिसमें अवसंरचना (जैसे कि सड़क, सेतु, रेलवे, सुरंग, पाइप लाइन, बंदरगाह, हार्बर आदि), विशिष्ट रेलवे कार्ड, फिक्सचर एवं फिटिंग, टेक्सटाइल, वैज्ञानिक चिकित्सा एवं सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट, डाटा प्रोसेसिंग, साफ्टवेयर एवं परामर्श, विद्युत संस्थापन, पर्यटन, औषधियां, दवाएं तथा संबद्ध उत्पाद आदि शामिल हैं।

जे ई सी तथा संयुक्त कार्य समूह

आर्थिक सहयोग के लिए भारत - रोमानिया संयुक्त समिति (जे ई सी) की 17वीं बैठक 1 और 2 फरवरी 2012 को बुकारेस्ट में हुई थी। जे ई सी की बैठक के अवसर पर दो संयुक्त कार्य समूहों - तेल एवं प्राकृतिक गैस पर संयुक्त कार्य समूह (तीसरी बैठक) और एस एम ई पर संयुक्त कार्य समूह (पहली बैठक) का भी आयोजन बुकारेस्ट में हुआ था।

अन्य यात्राएं

डब्ल्यू टी सी की जनरल असेंबली मीटिंग में भाग लेने के लिए एसोसिएशन आफ इंडियन इंडस्ट्रीज, मुंबई से एक 12 सदस्यीय शिष्टमंडल ने अप्रैल 2014 में बुकारेस्ट का दौरा किया।

अहमदाबाद में वाइब्रेंट गुजरात 2015 के अवसर पर फार्मेक्सिल क्रेता - विक्रेता बैठक में भाग लेने के लिए रोमानिया के स्वास्थ्य मंत्री डा. निकोले बैनिसियोइयू के नेतृत्व में एक 5 सदस्यीय शिष्टमंडल ने जनवरी 2015 के दौरान भारत का दौरा किया। फार्मेक्सिल के नेतृत्व में भारतीय फार्मास्युटिकल कंपनियों से एक 26 सदस्यीय शिष्टमंडल ने फरवरी 2015 में बुकारेस्ट का दौरा किया।

करार

विदेश मंत्री कार्लाटीन की भारत यात्रा के दौरान 8 मार्च 2013 को व्यापक साझेदारी स्थापित करने के लिए एक संयुक्त वक्तव्य तथा दोहरा कराधान परिहार करार पर हस्ताक्षर किए गए। अप्रैल 2013 में व्यवसाय परिवेश, पर्यटन एवं एस एम ई के लिए रोमानिया की प्रत्यायित मंत्री सुश्री मारिया ग्रैपिनी की भारत यात्रा के दौरान टेक्सटाइल के क्षेत्र में सहयोग के लिए एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए। शांतिपूर्ण प्रयोजनों के लिए परमाणु गतिविधियों के विनियमन के क्षेत्र में सूचना के आदान प्रदान एवं सहयोग के लिए भारत के परमाणु ऊर्जा विनियामक बोर्ड तथा रोमानिया के राष्ट्रीय परमाणु गतिविधि नियंत्रण आयोग के बीच एम ओ यू पर हस्ताक्षर सितंबर 2012 में वियना में भारत और रोमानिया के बीच किए गए। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, समुद्री परिवहन तथा हवाई सेवा करार के क्षेत्र में सहयोग के लिए करारों पर विचार चल रहा है।

आई टी ई सी / पी सी एफ डी / आई सी सी आर कार्यक्रम के तहत द्विपक्षीय सहयोग

विभिन्न प्रशिक्षण माड्यूलों में शामिल होने के लिए आई टी ई सी स्कीम के तहत रोमानिया से विभिन्न क्षेत्रों से उम्मीदवार भारत आ रहे है। आज तक रोमानिया ने आई टी ई सी के 100 स्लाटों का उपयोग किया है। रोमानिया को वर्ष में 5 स्लाट आवंटित किए गए हैं जिसका लगातार उपयोग किया जा रहा है। 1993 से रोमानिया के 8 राजनयिकों ने विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली में विदेशी राजनयिकों के लिए पेशेवर पाठ्यक्रम (पी सी एफ डी) में भाग लिया है। भारतीय नृत्य, शास्त्रीय एवं लोकप्रिय संगीत, शास्त्रीय नृत्य, हिंदी, फिल्म / टी वी प्रौद्योगिकी तथा अन्य शैक्षिक विषयों की पढ़ाई के लिए रोमानिया के नागरिकों द्वारा आई सी सी आर की प्रायोजकता का सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है।

सांस्कृतिक सहयोग

भारत और रोमानिया ने 1957 में एक सांस्कृतिक करार पर हस्ताक्षर किए हैं। 2011-2015 के लिए नए सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम पर हस्ताक्षर मार्च 2011 में किए गए। इस सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम, जिसकी अवधि दिसंबर 2015 में समाप्त हो गई है, के नवीकरण पर विचार चल रहा है। रोमानिया की एक बैलेट मंडली ने 2012 के पूर्वार्ध में भारत का दौरा किया था। सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के तहत साहित्य अकादमी द्वारा रोमानिया से (i) सच लेता है आकार और *(ii)* झोनप्री वाले और अन्य कहानियां प्रकाशित करता है।

मई 2014 में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित राजस्थानी लोक नृत्य मंडली द्वारा बुकारेस्ट में तीन सांस्कृतिक परफार्मेंस का आयोजन किया गया। नवंबर 2014 में प्लोइस्ती में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित 'कल्पना' नामक एक चित्रकारी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

दूतावास हर साल ''नमस्ते इंडिया'' समारोह का आयोजन करने के लिए स्थानीय सांस्कृतिक समूह रवीन्द्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक केन्द्र के साथ साझेदारी करता है।

शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग

आई सी सी आर द्वारा 1998 में बुकारेस्ट विश्वविद्यालय में एक हिंदी पीठ स्थापित की गई तथा 2006 से इस विश्वविद्यालय में आई सी सी आर से एक हिंदी शिक्षक पढ़ा रहे हैं। पिछले एम ओ यू की अवधि समाप्त हो जाने के बाद सितंबर 2015 में नए एम ओ यू पर हस्ताक्षरकिए गए हैं। अब एम ओ यू के तहत नए हिंदी शिक्षक ने ज्वाइन कर लिया है। 2003 से अंग्रेजी में भारतीय लेखकों पर एक पाठ्यक्रम तथा हिंदी भाषा को भी मे रकुरिया सियुक में ट्रांसिलवानिया के सैपियेंटिया - हंगरियन विश्वविद्यालय में पढ़ाया जा रहा है। रोमानियाई भाषा के शिक्षण के

लिए रोमानिया की ओर से दिल्ली विश्वविद्यालय में एक रोमानियन शिक्षक भेजा जाता है। प्रोफेसरों के आदान प्रदान के लिए बाबेस - बोलयाई विश्वविद्यालय, क्लिज ने अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली तथा जाधवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता के साथ एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए है।

भारतीय समुदाय

रोमानिया में भारतीय समुदाय के लोगों की संख्या लगभग 950 है। छात्रों की बहुलता है (लगभग 250 भारतीय छात्र रोमानिया की संस्थाओं में विभिन्न पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कर रहे हैं जिसमें मुख्य रूप से टिमिसोआरा, ओराडिया, बुकारेस्ट, कोंस्टांटा एवं लासी में स्वयं वित्त पोषण आधार पर चिकित्सा पाठ्यक्रम की पढ़ाई शामिल है)। अन्य कारोबारी, प्रोफेशनल तथा तकनीकी विशेषज्ञ हैं। बुकारेस्ट में चार भारतीय रेस्तरां हैं, एक रेस्तरां टिमिसोआरा में और एक गलाती में है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, बुकारेस्ट की वेबसाइट :
http://eoiromania.in/

***

फरवरी, 2016